पी.एस.एम. पब्लिक स्कूल
कक्षा - सातवीं
विषय - हिन्दी व्याकरण
पाठ - 10 तथा 11 (सर्वनाम तथा विशेषण, अपठित गद्यांश)

## पुनरावृत्ति कार्य - पत्रिका

### प्रश्न-1. अपठित गद्यांश :-

ज्ञान वृद्धि और आनंद की प्राप्ति का एक प्रमुख साधन अध्ययन है। वह आत्म-संस्कार के विधान का एक अंग है। किसी जाति के साहित्य में गति प्राप्त करने का कोई और द्वार नहीं है। किसी जाति के भाव और विचार साहित्य में ही व्यक्त रहते हैं तथा उसी में उसकी उन्नति के क्रम का लेख रहता है। मनुष्य जाति के सुख और कल्याण के विषय में संसार में प्रतिभा सम्पन्न लोगों ने जो सिद्धांत स्थिर किए हैं। उन्हें जानने का साधन स्वाध्याय ही है। जो पढ़ता ही नहीं, उसे इस बात की खबर ही नही रहती कि मनुष्य की ज्ञान परम्परा किस सीमा तक पहुँच चुकी है। वह और यह जानता ही नहीं कि मनुष्य के श्रम से एक मार्ग तैयार हो चुका है।

- ऊपर लिखे हुए गद्यांश को पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दे।

(क) शिक्षा का उद्देश्य क्या है ?

(ख) किस प्रकार की शिक्षा व्यर्थ है ?

(ग) मनुष्य के जीवन में आत्मिक ज्ञान का क्या महत्व है ?

(घ) उपयुक्त गद्यांश का शीर्षक दीजिए।

(ड़) 'मार्ग' शब्द का पर्यायवाची बताइए। (कोई 2 पर्यायवाची)

प्रश्न-2. नीचे लिखे शब्दों में सर्वनाम छाँटकर उसके भेद लिखिए –

(क) टेबल से कुछ गिरा है।
(ख) जो कहा गया है, वही करो।
(ग) आप सादर आमंत्रित हैं।
(घ) उसके साथ कौन जाएगा।

प्रश्न-3. निम्नलिखित वाक्यों के सर्वनामों को शुद्ध करके लिखिए।

(क) वह कौन की किताब रखी है?
(ख) वे क्या खाया था?

प्रश्न-4. निम्नलिखित संज्ञाओं से विशेषण बनाइए :-
बाज़ार, पुराण, मुख, रोग, सम्मान, मानव, मन।